मारन के राजपत (भसामारण) भाग 2, खंड 3, उपखंड (ii) तारीख 3 मार्च, 1988 में प्रकाशित का.आ. 242 (अ) तारीख 3 मार्च, 1988, (X) भारत के राजपत (असामारण), भाग 2, खंड 3, उपखंड (ii) तारीख 7 अप्रेल, 1988 में प्रकाशित का.आ. 372 (अ) तारीख 7 अप्रल, 1988।

MINISTRY OF AGRICULTURE

(Department of Agriculture and Cooperation)

NOTIFICATION

New Delhi, the 72nd July, 1988

S.O. 721(E).—In exercise of the powers conferred by section 4 of the National Oilseeds and Vegetable Oils Development Board Act, 1983 (29 of 1983), the Central Government hereby appoints Dr. S.M. Nehra, House No. 2009, Sector 15-C, Chandigarh, as a member of the National Oilseed; and Vegetable Oils Development Board and makes the following amendment in the Notification of the Government of India in the Ministry of Agriculture (Department of Agriculture and Cooperation), No. S.O. 153(E), dated the 8th March, 1984, namely:—

In the said Notification, under the heading "Appointed under clause (o) of sub-section (4) of section 4", for serial number 32 and the entry relating thereto, the following serial number and entry shall be substituted, namely:—

"32. Dr. S.M. Nehra, House No. 2009, Sector 15-C,

Chandigarh,

To represent other Member." interests connected with the oilseeds industry and the

vegetable oils industry.

[File No. 1-1/88-CA,VI] USHA VOHRA, Add. Say.

Note:--Principal Notification No. S.O. 153(E), dated the 8th March, 1984 has been subsequently amended by Notifications: (i) No. 464(E) dated the 28th June, 1984, published in the Gazette of India (Extraordinary), Part II, Section 3, Sub-section (ii) dated the 28th June, 1984; (ii) No. S.O. 518(E) dated the 9th July, 1985, published in the Gazette of India (Extra) dinary), Part II, S ction 3. S ib-section (ii) duted the 9th July, 1985; (iii) S.O. 519(E) dated the 9th July, 1985, inhlished in the Gazette of India (Extraordinary), 'art II, Section 3, Sub-section (ii) dated the 9th July, 985; (iv) S.O. 629 (L) dated the 25th June, 1937, sublished in the Gazette of India (Extraordinary), fart II, Section 3, Sub-section (ii) duted the 25th une, 1987; (v) S.O. 866 (E) dated the 29th Sypember, 1987, published in the Gazette of India Extraordinary), Part II, Section 3, Seb-section (ii) ated the 29th September, 1987, (vi) S.O. 1033 (E) ated the 2nd December, 1987, published in the lazetted of India (Extraordnary) Part II, Section 3, ib-section (ii) dated the 2nd December, 1987; (vii) O. 1121(E) dayed the 28th Dicember, 1987, pubshed in the Gazette of India (Extraordinary), Part , Section 3, Sab-section (ii) dated the 28th Decem-.r. 1987; (viii) S O 56(ii) dailed the 15th January, 188, published in the Gazette of India (Extraordimy) Part II, S ction 3, S ib-section(ii) dated the 15th mary, 1988; (ix) S.O. 242(2) dated the 3rd March, 88, published in the Gazette of India (Extraordiry), Part II, S ction 3, S b-section (ii) dated the 3rd larch, 1988; (x) S.O. 372(E) dated the 7th April, 88, published in the Gazette of India (Extraordiry), Part II, Section 3, Sub-section (ii) dated the h April, 1988.





असाधारण

EXTRAORDINARY,

भाग गि—खण्ड 3—उप-हण्ड (ii) PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 375] No. 375] नई विख्ली, बुधवार, जुलाई 27, 1988/आवण 5, 1910 NEW DELHI, WEDNESDAY, JULY 27, 1988/SRAVANA 5, 1910

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या की जाती हैं जिससे कि यह असग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

रेल मंत्रालय (रेलवें वोडं) ग्रिधसूचना

नई दिल्ली, 27 जुलाई, 1988

का.ग्रा. 722(ग्र):—भारतीय रेस श्रीष्ठितियम, 1890 (1890 का 9) की घारा 47 की जपधारा (1) के (च) एवं (छ) खण्डों द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केश्रीय सरकार एसब्झारा रेसचे (भाण्डागारण एवं घाढ शुल्क) नियम, 1958 को और ब्रागे संशोधित करते हुए, निम्मलिखित नियम बनाती है, ग्रार्थात्:—

- 1. (1) मे नियम रेसचे (भाण्डानारण एवं धाट शुल्क) (द्वितीय संसोधन) नियम, 1988 कहे जाएंगे।
- (2) ये सरकारी राजपन्न में उनके प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होगें।
- 2. रेसबे (माण्डागारण एवं माट गुस्क) नियम, 1958 में, नियम 6-(क) के मीचे तालिका के कालम 4 में, मद (i) के सामने वर्तमान इंदराजों के पश्चात्, निम्नलिखित इन्यराज समिविष्ट किया जाए, ग्रर्थात्:—

"लावान के लिए रखे गये वी भ्रो एक्स "एन" माल डिक्बों के समग्र सन्तृह को विलम्ब गुल्क प्रभार की जसूली के प्रयोजन के लिए एक इकाई के रुप में समझा जाएगा, धर्मात् यदि दो या ग्रधिक के समूह में से एक माल डिक्बों को लवान के लिए पिर्धारित समय छूट के बाद रोका गया हो, तब भी समूह के सभी वी थ्रो एक्स "एन" माल डिक्बों पर जिलम्ब गुम्क बसुल किया जाएगा"; (बा) कालम 2 में मद (ii)-(i) के झम्तर्गत, "45 या इनसे घशिक की भी एक्स "एन" माल किकों के पूर्ण रेक की अभिकों द्वारा उतराई किए बाने के मामले में" शब्दों से ब्रारम्भ होने वाले तथा "माल डिक्से जतराई के लिए सही स्थिति में रखे गए हैं" शब्दों से समाप्त होने वाले ग्रंग के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया आए, ग्रंथीत् :--

भी ग्रो एक्स "एन" माल डिडमों के रेक की उतराई के ग्रामले में समय छूट निम्न प्रकार से भनुमत होगी :---

नाल किम्मों की सं.	यात्रिक परिचालन	हस्त परिचालन
44 तक	9 कार्य घंडे	9 कार्य चंदे
45 से 54 तक	10 कार्य चंटे	11 कार्य भंदे
55 और अधिक	12 कार्य चंदे	13 कार्य घंडे
(६) अयं हरी	अद्भविनों एवं माल गोबार	ों के संबंध में :
भाल दिव्यों को छं.	यांत्रिक परिचालन	हस्त परिचालन
44 तक -	9 कार्य घंडे	9 कार्य घंटे
4.5 गौर व्यक्तिक	10 कार्य घंटे	11 कार्य चंडे

(ii) इस नियमों के नियम 2(क)(i) हारा यथा अतिस्थापित, बी भी एक्स "एन" से संधंधित इंबराओं के लिए, कोलम 4 नें; निम्त-लिखित कोड़ा जाए ग्रामित् :—

"लवान के लिए रखे गए की भी एक्त "एन" माल डिक्बों के समग्न . समूह को विलम्ब शुरुक प्रभार की बसूली के प्रयोजन के लिए एक इकाई के रुप में समझा जाएगा, अर्थात् यवि को या अधिक के समूह में से एक